दीक्षार्थी राहुल मेहता का निकला भव्य वरघोड़ा

▸ **बाहरी सुख क्षणिक, आत्मिक सुख के लिए संयममय जीवन आवश्यक - आचार्य श्री**

पिपलिया स्टेशन (निप्र)। बाहरी सुख केवल क्षण भर का होता है, जबकि आत्मिक सुख ही ऐसा है जो जीवनभर साथ देता है। सांसारिक साधन मनुष्य को क्षणिक प्रसन्नता तो दे सकता हैं, लेकिन जीवन में स्थायी शांति और शीतलता केवल संयम, तप और त्याग से ही प्राप्त होती है। उक्त विचार संघ हित चिंतक आचार्य देव निपुण रत्न सूरीश्वर मसा ने दीक्षार्थी राहुल मेहता (प्रतापगढ़) के संयम तिलक महोत्सव के उपलक्ष्य में आयोजित बहुमान समारोह में व्यक्त किए। यह समारोह शुक्रवार को कुमठ आराधना भवन, पिपलिया में आयोजित हुआ। आचार्यश्री ने प्रवचन में कहा कि आज का मानव भौतिक सुख-साधनों के पीछे भाग रहा है। गाड़ी, बंगला, एसी, फ्रिज, टीवी और मोबाइल जैसे साधन हमें केवल बाहरी सुख प्रदान करते हैं, लेकिन यह सुख स्थायी नहीं होता। वास्तविक सुख आत्मा की शुद्धता से प्राप्त होता है, जो केवल संयम मार्ग पर चलकर ही संभव है।

उन्होंने कहा कि संयम जीवन अपनाने वाला व्यक्ति ही सच्चे अर्थों में आत्मिक आनंद का अनुभव करता है। आचार्यश्री ने दीक्षार्थी की माता को धन्य बताते हुए कहा कि अपनी इकलौती संतान को संयम पथ पर समर्पित करना अत्यंत साहस, श्रद्धा और त्याग का प्रतीक है। यह केवल परिवार ही नहीं, बल्कि पूरे समाज के लिए गौरव का विषय है। मुमुक्षु राहुल

मेहता की दीक्षा आगामी 24 जनवरी को प्रतापगढ़ में आचार्य विश्वरत्नसागर मसा की निश्रा में संपन्न होगी। इससे पूर्व शुक्रवार प्रातः 9 बजे मंदिर से बैंड-बाजों के साथ भव्य वरघोड़ा निकाला गया। वरघोड़े में बड़ी संख्या में समाजजन शामिल हुए। पालकी में विराजित भगवान का नगर के विभिन्न स्थानों पर अक्षत, श्रीफल एवं गहुलियों से श्रद्धापूर्वक वंदन किया गया। दीक्षार्थी का शॉल, श्रीफल एवं मालाओं से बहुमान किया। नगर भ्रमण के पश्चात यह चल समारोह कुमठ आराधना भवन में धर्मसभा में परिवर्तित हो गया। धर्मसभा को बही तीर्थ अध्यक्ष अशोक कुमठ, नवरत्न बहु मंडल प्रमुख निधि आंचलिया एवं आयोजन के लाभार्थी परिवार की ओर से पुष्पा पामेचा ने भी संबोधित किया। वक्ताओं ने दीक्षार्थी के संयम मार्ग को समाज के लिए प्रेरणादायक बताया। दीक्षार्थी के बहुमान का चढ़ावा बोला गया, जिसका लाभ नवरत्न परिवार ने लिया। संघ की ओर से दीक्षार्थी का शॉल, श्रीफल एवं माला से बहुमान किया गया। कार्यक्रम का संचालन संघ अध्यक्ष वीरेन्द्र राणावत ने किया। इस अवसर पर प्रतापगढ़, मंदसौर, नीमच, कनघट्टी, बोतलगंज, बूढ़ा सहित आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में धर्मालुजन उपस्थित रहे। पूरे आयोजन में श्रद्धा, भक्ति और उल्लास का वातावरण बना रहा।

तेंदुए को घर में कैद कर बच्चों-बुजुर्गों की जान बचाने वाली महिला को सम्मानित करने की मांग

मंदसौर। मध्यप्रदेश के मंदसौर शहर स्थित संजीत नाका क्षेत्र की एक कॉलोनी में उस समय अफरा-तफरी मच गई जब एक तेंदुआ रिहायशी गलियों में दौड़ता हुआ दिखाई दिया। तेंदुआ बाद में एक निर्माणाधीन मकान में घुस गया, जिससे क्षेत्र में दहशत का माहौल बन गया। इसी बीच कॉलोनी की निवासी एक महिला ने सूझबूझ और साहस का परिचय देते हुए तेंदुए को मकान के भीतर ही कैद कर दिया, जिससे बड़ी अनहोनी टल गई।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, महिला ने न केवल तेंदुए की झपट से स्वयं को सुरक्षित रखा, बल्कि कॉलोनी में मौजूद बच्चों और बुजुर्गों को संभावित हमले से बचाया। महिला की इस बहादुरी से पूरे क्षेत्र में राहत की सांस ली गई और

प्रशासन को रेस्क्यू की कार्रवाई करने का समय मिल सका।

इस साहसिक कार्य को लेकर गैर सरकारी संस्था रूरल पब्लिक सर्विसेस के डायरेक्टर एवं पत्रकार राधेश्याम मारू ने जिला प्रशासन से महिला को सम्मानित करने की मांग की है। उन्होंने कलेक्टर को ट्वीट कर आग्रह किया कि जांबाज महिला श्रीमती विष्णुबाई, पति ओमप्रकाश राठौर, को राष्ट्रपति या राज्यपाल पुरस्कार जैसे सम्मान के लिए प्रस्तावित किया जाए।

एनजीओ का कहना है कि तेंदुए जैसे खतरनाक वन्यजीव के सामने धैर्य और हिम्मत से काम लेना आसान नहीं होता। ऐसी बहादुरी न केवल जान बचाती है, बल्कि पूरे समुदाय में साहस और सुरक्षा का संदेश भी देती है। यदि इस तरह के कार्यों को उचित सम्मान मिले तो समाज में प्रेरणा का संचार होगा और वन्यजीवों के साथ सुरक्षित सह-अस्तित्व को लेकर जागरूकता भी बढ़ेगी।

शहर और जिले के प्रबुद्धजनों ने भी महिला के इस साहसिक कार्य की सराहना करते हुए उसे उचित सम्मान दिए जाने की मांग की है।

एक नजर में

राष्ट्रीय हैंडबॉल प्रतियोगिता के लिए यशस्वी का हुआ चयन

मंदसौर। आगामी 69 वी राष्ट्रीय हैंडबॉल प्रतियोगिता जो कि चित्तौड़गढ़ (राजस्थान) में 5 से 10 जनवरी 2026 को आयोजित की जा रही है, इसमें श्री साँई पब्लिक स्कूल की छात्रा यशस्वी सिसोदिया पिता रविंद्र सिसोदिया का चयन हुआ है। नेशनल लेवल के प्रतियोगिता में भाग लेने से पहले मध्य प्रदेश के दल का एक प्री नेशनल कोचिंग कैंप भी आयोजित किया जा रहा है, जो की 29 दिसंबर से 2 जनवरी तक ग्वालियर में आयोजित किया जाएगा। ज्ञात रहे कि इससे पूर्व भी श्री साँई पब्लिक स्कूल, दलौदा के कई छात्रों का चयन स्टेट और नेशनल लेवल पर विभिन्न तरह के खेलों में हुआ है। छात्रा यशस्वी सिसोदिया की इस उपलब्धि पर संस्था के डायरेक्टर, असिस्टेंट डायरेक्टर, मैनेजर एवं समस्त स्टाफ ने छात्रा यशस्वी सिसोदिया को शुभकामनाएं प्रेषित की एवं उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

सुवासरा पुलिस ने 10 माह से फरार बलात्कार आरोपी को पंजाब से किया गिरफ्तार

मंदसौर। पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार मीणा के निर्देश पर सुवासरा पुलिस ने 10 माह से फरार चल रहे 5000 रुपये ईनामी आरोपी गुरप्रीत सिंह (30), पिता पुरनसिंह राय सिक्ख, निवासी खेरा कला, थाना सरदुलगढ़, जिला मानसा (पंजाब) को मानसा से गिरफ्तार किया। दिनांक 06 .02 .2025 को आरोपी के खिलाफ शादी का झांसा देकर बलात्कार करने की रिपोर्ट थाना सुवासरा में दर्ज कराई गई थी। आरोपी फरार रहने के कारण 5000 रुपये का इनाम घोषित किया गया था। तकनीकी साक्ष्य के आधार पर निरीक्षक अनिल रघुवंशी व टीम ने आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता पाई। इस सराहनीय कार्रवाई में थाना सुवासरा, चौकी प्रभारी, साइबर सेल और आरक्षक टीम के सदस्यों का विशेष योगदान रहा।

अनुयोग अस्पताल की आयुष्मान जांच हेतु दल गठित करने के निर्देश

मंदसौर। जिला पंचायत साधारण सभा की बैठक जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती दुर्गा विजय पाटीदार की अध्यक्षता में जिला पंचायत सभागार में संपन्न हुई। बैठक में जनस्वास्थ्य, सामाजिक सुरक्षा एवं विकास कार्यों को अधिक प्रभावी बनाने को लेकर महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत पारदर्शिता व गुणवत्ता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से अनुयोग अस्पताल की आयुष्मान से संबंधित जांच हेतु जांच दल गठित करने के निर्देश दिए गए। पुराने रिकॉर्ड की जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने तथा जिले के अन्य आयुष्मान संबद्ध अस्पतालों की भी समीक्षा व जांच के निर्देश दिए गए। बैठक में एक्सपायरी दवाइयों की जांच, जहां एएनएम पदस्थ नहीं हैं वहां शीघ्र नियुक्ति, अस्पतालों में संलग्निकरण आदेश समाप्त करने तथा टेंडर प्रक्रिया को पूर्णत: पारदर्शी रखने पर जोर दिया गया। जन आरोग्य केंद्रों की समीक्षा के साथ टीबी मुक्त भारत अभियान में जिले के कार्यों की सराहना की गई। संबल योजना के अंतर्गत पात्र हितग्राहियों को अंत्येष्टि सहायता राशि शीघ्र प्रदान करने तथा सूक्ष्म सिंचाई परियोजनाओं के तहत जिन ग्रामों में पानी नहीं पहुंचा है वहां जल्द व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए। बैठक में विभिन्न विभागों के कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्री अनुकूल जैन सहित जनप्रतिनिधि व अधिकारी उपस्थित रहे।

जिला चिकित्सालय में आर्थो विशेषज्ञ प्रशिक्षण, 13 बच्चों को मिला क्लबफूट उपचार

मंदसौर। जन्मजात क्लबफूट विकृति से पीड़ित बच्चों को समय पर बेहतर उपचार उपलब्ध कराने की दिशा में इंदिरा गांधी जिला चिकित्सालय मंदसौर में आर्थो विशेषज्ञों का विशेष प्रशिक्षण आयोजित किया गया। अजीम प्रेमजी फाउंडेशन, अनुष्का फाउंडेशन एवं आरबीएसके के सहयोग से आयोजित इस प्रशिक्षण में पांच जिलों से आए आर्थो विशेषज्ञों को उन्नत चिकित्सकीय प्रशिक्षण दिया गया। प्रभारी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एस.जी. सूर्यवंशी एवं प्रभारी सिविल सर्जन डॉ. डी.के. पीपल की उपस्थिति में आयोजित प्रशिक्षण के दौरान 13 बच्चों का उपचार किया गया। इनमें 6 बच्चों की कास्टिंग, 3 बच्चों की टीनोटॉमी (शल्य क्रिया) तथा 4 बच्चों को शूज व बार प्रदान किए गए। प्रशिक्षण में आर्थो विशेषज्ञ, फिजियोथैरेपिस्ट एवं आरबीएसके चिकित्सकों सहित 60 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन अनुष्का फाउंडेशन के प्रोग्राम एग्जीक्यूटिव ऑफिसर संतोष तात्या ने किया।

मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी के कर्मचारियों का स्वास्थ्य प्रशिक्षण शिविर संपन्न

भानपुरा। जिला कलेक्टर सुश्री अदिति गर्ग के मार्गदर्शन एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. गोविंद चौहान के निर्देश पर भानपुरा ब्लॉक के गांधीसागर स्थित मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी लिमिटेड में कार्यरत अधिकारियों एवं कर्मचारियों का व्यापक स्वास्थ्य प्रशिक्षण एवं परीक्षण शिविर आयोजित किया गया। शिविर के दौरान जिला क्षय अधिकारी डॉ. द्विवेदी के नेतृत्व में समस्त कर्मचारियों की स्वास्थ्य जांच की गई। टीबी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत एआई मोड पर आधारित हैंडहेल्ड एक्स-रे मशीन से एक्स-रे किए गए, साथ ही चिकित्सकीय परामर्श अनुसार आवश्यक रक्त जांच एवं अन्य स्वास्थ्य परीक्षण कर उपचार प्रदान किया गया।

पेंशनर डे पर स्व. करणसिंह राठौर की स्मृति में पौधारोपण कर दी श्रद्धांजलि

मंदसौर/उज्जैन। पेंशनर डे के अवसर पर जिला पेंशन फोरम के पूर्व अध्यक्ष एवं सेवानिवृत्त डिप्टी कलेक्टर स्वर्गीय करणसिंह राठौर की स्मृति में श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। वैशाली नगर स्थित उनके निवास क्रमांक 563 पर पेंशनर साथियों ने एकत्र होकर उनके चित्र पर माल्यार्पण किया तथा उनकी स्मृति में फलदार पौधा रोपित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

कार्यक्रम में वक्ताओं ने स्व. राठौर के प्रशासनिक, सामाजिक एवं पेंशनर हितों के लिए किए गए योगदान को स्मरण करते हुए कहा कि वे सरल, सुलझे हुए एवं संघर्षशील व्यक्तित्व के धनी थे। जिला पेंशन फोरम के अध्यक्ष रहते हुए उन्होंने पेंशनरों की समस्याओं के निराकरण के लिए सदैव सक्रिय और प्रभावी भूमिका निभाई। उल्लेखनीय है कि स्व. करणसिंह राठौर का जन्म 17 दिसंबर 1932 को हुआ था और संयोगवश उनका जन्मदिवस भी प्रतिवर्ष पेंशनर डे के

दिन ही आता था, जिससे यह श्रद्धांजलि कार्यक्रम और अधिक भावपूर्ण बन गया। वे वर्ष 1992 में एसडीएम सोनकच्छ पद से सेवानिवृत्त होकर उज्जैन में ही स्थायी रूप से निवासरत रहे। वे जिला राजपूत संघ उज्जैन के पूर्व अध्यक्ष भी रह चुके थे। स्व. राठौर कर्मचारी नेता अर्जुन सिंह राठौर के बड़े भ्राता तथा मंदसौर के पूर्व टीआई अनिल सिंह राठौर के पिता थे। इस अवसर पर मोहनलाल राठौर, मनोहर सोनी, विजय सिंह गहलोत, अनूप सिंह राठौर सहित बड़ी संख्या में पेंशनर साथी एवं शुभचिंतक उपस्थित रहे। सभी ने उनके जीवन, कार्यशैली और मूल्यों को प्रेरणास्रोत बताते हुए उनके दिखाए मार्ग पर चलने का संकल्प व्यक्त किया।

पुरुषों हेतु नि:शुल्क 30 दिवसीय घरेलू वायरिंग की ट्रेनिंग 25 दिसंबर से

मंदसौर। ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान प्रबंधक द्वारा बताया गया कि ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान मंदसौर द्वारा नि:शुल्क ट्रेनिंग घरेलू वायरिंग 30 दिवसीय पुरुषों हेतु नि:शुल्क ट्रेनिंग प्रारंभ। 18 से 50 वर्ष वाले इच्छुक प्रत्याशी अपना रजिस्ट्रेशन जल्द से जल्द करवा लेवे जिससे उनका स्थान सुरक्षित हो जाए। प्रत्याशी अपने साथ दो फोटो, आधार कार्ड, राशन कार्ड, समग्र आईडी कार्ड, अंतिम मार्कशीट और बैंक खाते की डिटेल फोटो प्रति लेकर रजिस्ट्रेशन करवा सकते है।

प्रवेश संबंधित अधिक जानकारी के लिए सर्किट हाउस के पहले नई आबादी पुलिस थाने के पास ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया आरसेटी) में प्रात: 10 से शाम 6 बजे कार्यालयीन समय पर संपर्क कर सकते हैं।

स्वदेशी संकल्प यात्रा मंदसौर पहुंची, आत्मनिर्भर भारत का संदेश दिया

मंदसौर। स्वदेशी जागरण मंच एवं (कैट) अखिल भारतीय व्यापारी परिसंघ के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित स्वदेशी संकल्प यात्रा नागपुर (महाराष्ट्र) से प्रारंभ होकर मध्यप्रदेश के विभिन्न नगरों से होती हुई शुक्रवार को मंदसौर पहुंची। यात्रा का शुभारंभ पशुपतिनाथ मंदिर प्रांगण से भगवा ध्वज दिखाकर किया गया।

मुख्य अतिथि भाजपा जिला अध्यक्ष राजेश दीक्षित ने कहा कि स्वदेशी संकल्प को घर-घर तक पहुंचाकर ही यात्रा को सफल बनाया जा सकता है। जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती दुर्गा विजय पाटीदार ने प्रत्येक गांव व पंचायत स्तर तक स्वदेशी का संदेश पहुंचाने का संकल्प व्यक्त किया। जिला महामंत्री विजय सुराणा ने छोटे व लघु उद्योगों तथा व्यापारियों के हितों पर जोर दिया।

प्रदेश भाजपा कार्यसमिति सदस्य अनिल कियावत एवं जिला उपाध्यक्ष विनय दुबेला ने यात्रा को आत्मनिर्भर भारत व स्वदेशी के संकल्प से जोड़ते हुए इसे जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। विभाग संयोजक पं. दिलीप व्यास ने यात्रा के उद्देश्यों की जानकारी दी, जबकि विभाग सहसंयोजक अंकुश पालीवाल ने स्वदेशी पत्रक वितरित किए।

सीतामऊ क्षेत्र में खेतों के ऊपर झूलते विद्युत तार

सीतामऊ। क्षेत्र के कई गांवों में किसानों के खेतों के ऊपर विद्युत तार इस कदर झूल रहे हैं कि कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। इस गंभीर समस्या को लेकर किसान समय-समय पर विद्युत विभाग के अधिकारियों एवं प्रशासन को अवगत कराते रहे हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं होना आश्चर्य का विषय बना हुआ है।

ताजा मामला तीतरोद एवं सुरजनी गांवों का बताया जा रहा है, जहां किसानों के खेतों में विद्युत लाइनें अत्यधिक नीचे झुकी हुई हैं। किसानों के अनुसार तार हवा में लटकते रहते हैं, जिससे कृषि कार्य के दौरान हर समय अप्रिय घटना का भय बना रहता है। कई बार शिकायत करने के बावजूद समस्या यथावत बनी हुई है, जिससे विभागीय लापरवाही उजागर हो रही है। किसानों ने आशंका जताई है कि यदि समय रहते सुधार नहीं किया गया तो किसी बड़े हादसे के बाद ही संबंधित अधिकारी एवं प्रशासन जागेंगे। उन्होंने विद्युत विभाग से शीघ्र निरीक्षण कर झूलते तारों को दुरुस्त करने और संभावित दुर्घटनाओं को रोकने की मांग की है।

गरोठ क्रिकेट महाकुंभ में मीणा इलेवन अहमदाबाद का शानदार प्रदर्शन

गरोठ। स्व. मदनलाल अग्रवाल एवं स्व. नंदलाल अग्रवाल की स्मृति में गरोठ क्रिकेट क्लब के तत्वाधान में दशहरा मैदान स्टेडियम, गरोठ में आयोजित अखिल भारतीय टेनिस बॉल क्रिकेट टूर्नामेंट में शुक्रवार को खेले गए तीनों मुकाबले बेहद रोमांचक रहे। बड़ी संख्या में दर्शकों ने देश के नामी खिलाड़ियों की बेहतरीन बल्लेबाजी और गेंदबाजी का आनंद लिया।

दिन का पहला मैच भीलवाड़ा (राजस्थान) एवं श्री दूधाखेड़ी माताजी क्रिकेट टीम के बीच खेला गया। दूधाखेड़ी माताजी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 10 ओवर में 91 रन बनाए, जिसमें पारस वाघेला ने 25 रन का योगदान दिया। भीलवाड़ा की ओर से राहुल ने 3 विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करते हुए भीलवाड़ा ने आखिरी गेंद पर

एक विकेट शेष रहते जीत दर्ज की। भीलवाड़ा की ओर से भाविनिबसिंह ने 20 रन बनाए, जबकि दूधाखेड़ी की ओर से वेदप्रकाश मंडा ने 3 विकेट लिए।

दूसरा मैच मीणा इलेवन अहमदाबाद एवं एबी आज़म आलोट के बीच खेला गया। अहमदाबाद ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 8 ओवर में 124 रन बनाए। कप्तान शैलेष एवं भाविक फिलिप्स ने शानदार 55-55 रन बनाए। आलोट की ओर से गोलू चौहान ने 1 विकेट लिया। जवाब में एबी आज़म आलोट की टीम मात्र 27 रन ही बना सकी। अहमदाबाद ने यह मुकाबला 97 रन से जीत लिया। अहमदाबाद की ओर से आसिफ दीवान ने 2 विकेट लिए।

दिन का तीसरा एवं टूर्नामेंट का तीसरा क्वार्टरफाइनल मैच मीणा इलेवन अहमदाबाद और भीलवाड़ा के बीच खेला गया। भीलवाड़ा की टीम 8 ओवर में 29 रन पर सिमट गई। भावेश ने 17 रन बनाए। अहमदाबाद की ओर से आसिफ दीवान ने 2 विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करते हुए मीणा इलेवन ने मात्र 2.1 ओवर में बिना कोई विकेट खोए जीत हासिल कर सेमीफाइनल में स्थान सुनिश्चित किया। भाविक फिलिप्स ने 21 रन बनाए।

तीनों मैचों में अंपायरिंग पप्पू भाई अग्रवाल एवं संजय हैप्पी ने की, जबकि कमेंट्री अंकुश करंट ने की। स्कोरिंग केशव मालवीय एवं अजय गुर्जर द्वारा की गई। गरोठ क्रिकेट क्लब के अध्यक्ष सचिन अग्रवाल ने बताया कि टूर्नामेंट के छठे दिन शनिवार को कटनी अरेरा वॉरियर्स, जबलपुर मिक्स, पेटलावद एवं बालाजी मुरैना के बीच मुकाबले खेले जाएंगे।

महाकाल मुक्ति धाम में जन्मदिन मनाने की अनूठी परंपरा

सीतामऊ। नगर का महाकाल मुक्ति धाम अपने अभिनव और प्रेरणादायी स्वरूप के कारण लगातार चर्चा में बना हुआ है। यह क्षेत्र का पहला ऐसा मुक्ति धाम है, जहां जन्मदिन मनाने की अनूठी परंपरा विकसित हुई है। यहां अंतिम यात्रा के स्थल के साथ-साथ जीवन की खुशियां भी साझा की जा रही हैं।

महाकाल मुक्ति धाम समिति के अध्यक्ष मुकेश चोरड़िया ने बताया कि वर्ष 2021 से 2025 तक लगातार निर्माण एवं सौंदर्यीकरण कार्य जारी है। अब तक लगभग 60 लाख रुपये के विकास कार्य जनसहयोग, सांसद एवं

विधायक निधि तथा नगर पंचायत के सहयोग से पूर्ण किए जा चुके हैं। वर्षा ऋतु में भी पर्यावरण संरक्षण की दिशा में 251 पौधे लगाए गए, जिनमें 108 सीताफल के पौधे शामिल हैं। पिछले चार वर्षों में कुल 1100 फलदार पौधे लगाए जा चुके हैं, जो अब विशाल स्वरूप ले रहे हैं।

उन्होंने बताया कि 21 लाख 53 हजार रुपये की लागत से शवदाह शेड का निर्माण कार्य प्रगतिरत है, जो मंदसौर जिले का पहला आधुनिक शवदाह शेड होगा। परिसर में भगवान भोलेनाथ की विशाल प्रतिमा का निर्माण भी किया जा रहा है। हरियाली, स्वच्छता और सुव्यवस्थित विकास के चलते महाकाल मुक्ति धाम अब एक पिकनिक स्पॉट के रूप में भी पहचान बना चुका है। समिति ने जनसहयोग, प्रशासनिक व राजनीतिक समर्थन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए भविष्य की योजनाओं में भी सहयोग की अपेक्षा जताई। वर्तमान में नाटाराम रोड की ओर नवीन प्रवेश द्वार का निर्माण कार्य जारी है। महाकाल मुक्ति धाम आज न केवल अंतिम संस्कार स्थल, बल्कि जीवन, पर्यावरण और सामाजिक सहभागिता का प्रतीक बनकर उभर रहा है।

पुलिस अधीक्षक ने ली जनरल परेड की सलामी

मंदसौर। जिला पुलिस लाइन मंदसौर में शुक्रवार को आयोजित जनरल परेड का पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार मीना ने निरीक्षण किया। उन्होंने परेड की सलामी ली एवं उपस्थित राजपत्रित व अराजपत्रित अधिकारी-कर्मचारियों के टर्नआउट का अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान उत्कृष्ट टर्नआउट वाले अधिकारी व कर्मचारियों को पुरस्कृत किया गया, जबकि अन्य को गणवेश में आवश्यक सुधार के निर्देश दिए गए। परेड में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक टी.एस. बघेल, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गरोठ अनुभाग श्रीमती हेमलता कुरील सहित जिले के सभी थानों-चौकियों का पुलिस बल एवं डॉग स्क्वायड उपस्थित रहा।

एक नजर ▸ एमपी की भागीदारी के साथ प्रतिनिधिमंडल ने रखे सुझाव, 12 सूत्रीय मांगे प्रधानमंत्री को सौंपेगा प्रतिनिधि मंडल

पंचायत प्रतिनिधियों के वेतन-पेंशन की मांग पर राष्ट्रीय सम्मेलन में जोर

मंदसौर। पंचायती राज प्रतिनिधियों की सक्रिय भागीदारी के साथ अखिल भारतीय पंचायत परिषद का 18वां राष्ट्रीय सम्मेलन कर्नाटक के गडग में संपन्न हुआ। इस सम्मेलन में मंदसौर से प्रदेश की महामंत्री मीना चौहान के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने भाग लिया और राज्य से जुड़े ग्रामीण मुद्दों, पंचायतों की मजबूती तथा स्थानीय स्वशासन को लेकर अपने सुझाव रखे। सम्मेलन में प्रदेश के प्रतिनिधियों ने पंचायतों को अधिक अधिकार, वित्तीय संसाधन और निर्वाचित प्रतिनिधियों को सामाजिक सुरक्षा देने की मांग प्रमुखता से उठाई। अखिल भारतीय पंचायत परिषद का यह 18वां राष्ट्रीय सम्मेलन 12 से 13 दिसंबर तक कर्नाटक स्थित गडग में आयोजित हुआ।

सम्मेलन की अध्यक्षता पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुबोध कांत सहाय ने की। देशभर से पंचायती राज व्यवस्था से जुड़े निर्वाचित प्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता और परिषद के पदाधिकारी इसमें शामिल हुए। सम्मेलन के दौरान विभिन्न राज्यों से आए प्रतिनिधियों ने ग्रामीण विकास, विकेंद्रीकरण और संविधान के 73वें संशोधन को और प्रभावी बनाने को लेकर अपने-अपने प्रस्ताव रखे।

प्रमुख प्रस्ताव-प्रमुख प्रस्तावों में पंचायतों का आर्थिक सशक्तिकरण, डिजिटल पंचायत व्यवस्था को बढ़ावा, विधायक एवं सांसद निधि की तर्ज पर सरपंच निधि की व्यवस्था, निर्वाचित पंचायत प्रतिनिधियों के लिए वेतन एवं पेंशन, तथा प्रत्येक ग्राम पंचायत में समर्पित प्रशासनिक स्टाफ की नियुक्ति शामिल है।

स्मार्ट गांवों से बनेगा स्मार्ट भारत

परिषद के राष्ट्रीय कार्यवाहक अध्यक्ष डॉ अशोक चौहान ने कहा कि स्मार्ट शहरों से देश स्मार्ट नहीं बनेगा, बल्कि स्मार्ट गांवों के निर्माण से ही स्मार्ट भारत का सपना साकार होगा। राष्ट्रीय महासचिव एवं उत्तर प्रदेश प्रभारी गवेंद्रसिंह एडवोकेट ने ग्राम पंचायत को अधिकार, बेहतरीन सुविधा तथा बढ़ रही बेरोजगारी और गांव से पलायन रोकने व सशक्त एवं मजबूत करने के लिए पंचायत को और अधिक विकास के अधिकार देने की बात कहीं। संचालन कर रहे महासचिव अनिल शर्मा ने कहा पंचायत परिषद की परंपरा संघर्ष की रही है तथा महात्मा गांधी के ग्राम स्वराज के सपने को साकार करने के लिए निरंतर पंचायत प्रतिनिधियों के हित में संघर्ष करती रही है और आगे भी करती रहेगी। मीना चौहान ने कहा कि यह संगठन पंचायत के लिए पूरे देश में सराहनीय कार्य कर रहा है। जब तक देश मैं गांव खुशहाल नहीं होंगे देश मजबूत नहीं होगा, कोरोना जैसी महामारी के समय में भी किसानों ने ही देश की अर्थव्यवस्था को संभाल के रखा था।